CLASS NOTES

Class: VII	Topic: बाल महाभारत 1 से 20 संवाद-लेखन , पत्र-लेखन , अपठित गद्यांश
Subject: HINDI	

बाल महाभारत -

1- भीष्म पितामह का असली नाम था -

क- वेदव्यास ख- देवदास

ख- देवव्रत घ- वेदव्रत

2- कुंती के बचपन का नाम था -

क- पाथेय ख- पृथा

ग- पृषा घ- प्रभा

3- रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए -

क- पांडु के पुत्र कहलाते थे -

अ- कौन्तेय ब- पांडव

स- कौरव द- इनमें से कोई नहीं

ख- आचार्य द्रोण पुत्र थे -

अ- महर्षि भरद्वाज के ब- आचार्य कृपाचार्य के

स- महर्षि वशिष्ठ के द- आचार्य पाणिनी के

4- जरासंध का वध किसने किया ?

अ- कर्ण ने ब- युधिष्ठिर ने

स- भीम ने द- अर्जुन ने

5- कर्ण को अमोघ शक्ति किसने प्रदान की ?

अ- इन्द्रदेव ने ब- सूर्यदेव ने

स- चन्द्रदेव ने द- पवनपुत्र हनुमान ने

लघु उत्तरीय प्रश्न -

6- लाक्षागृह से जीवित बच निकलने के बाद पांडव किस नगरी में जाकर रहे ?

7- जुए में हारकर पांडवों को कितने वर्ष का अज्ञातवास मिला ?

8- अम्बा किस राज्य की राजकुमारी थी ?

पत्र-लेखन ---

9- 1 आपके विद्यालय के पुस्तकालय में हिन्दी की बाल पत्रिकाएँ उपलब्ध नहीं हैं| अत: हिन्दी की बाल पत्रिकाएँ अपने पुस्तकालय में उपलब्ध कराने हेतु प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखिए |

2- विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु प्राचार्य महोदय को पत्र लिखिए |

3- वन विभाग के अधिकारी को अपने क्षेत्र में वृक्षारोपण का सुझाव देते हुए पत्र लिखिए |

4- अपनी भूल के लिए क्षमा याचना करते हुए प्राचार्य महोदय को पत्र लिखिए |

संवाद लेखन------

10-

1-'पेड़ पौधे और हम' इस विषय को आधार बनाकर अपने मित्र के साथ हुई बातचीत संवाद के रूप में लिखिए

2- माँ और पुत्र के बीच अधिक जंक फ़ूड खाने के विषय में हुई बातचीत संवाद के रूप में लिखिए |

3- शारीरिक स्वच्छता की अनिवार्यता पर शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच हुई बातचीत संवाद के रूप में लिखिए |

4- प्रदूषित पर्यावरण के विषय में दो पक्षियों के बीच हुई बातचीत संवाद के रूप में लिखिए |

अपठित गद्यांश -

11 -

एक जंगल में परिजात का एक पेड़ था। परिजात का कोई मुकाबला नहीं था। उसकी सुंदरता बेजोड़ थी। उसका रंग-रूप निराला था। परिजात को भी अपने गुणों का पूरा-पूरा पता था। नीले आसमान में सिर उठाए इस शान से खड़ा रहता, मानों पेड़ों का सरताज हो। जब बहार के दिन आते तो परिजात अनगिनत नन्हें-नन्हें फूलों से लद जाता, लगता मानों किसी ने आकाश से सारे तारे तोड़कर परिजात की शाखाओं पर टाँक दिए हो। नन्हें फूलों से झिलमिलाता परिजात जब सुगंध भरी पराग जंगल में बिखेरता तो जंगल नंदन बन जाता। चुंबक की तरह परिजात सबको अपनी तरफ़ खींचता, जिसे देखो, वही परिजात की तरफ़ भागता । सतरंगी शालें ओढ़े चटकीली तितलियाँ सहेलियों के साथ झुंड का झुंड बनाकर परिजात का श्रृंगार देखने आतीं तथा जाते-जाते फूलों को खींचकर ढेरों पराग अपने साथ ले जाती।

दिए गए गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

क- जंगल में किसका पेड़ था ?

(i) नीम

(ii) परिजात

(iii) पीपल

(iv) आम

ख- परिजात अपने आप को स्वयं क्या समझता था ?

(i) पेड़ों का सरताज

(ii) पेड़ों का दास

(iii) ईश्वर

(iv) इनमें से कोई नहीं

ग- वह अनगिनत फूलों से कब लद जाता था ?

(i) बहार में

(ii) पतझड़ में

(iii) वर्षा में

(iv) सरदी में

घ- तितलियाँ क्या करती थीं ?

(i) उसके फूलों का पराग ले जाती थीं

(ii) फूल ले जाती थीं

(iii) डालों पर गाना गाती थीं

(iv) कुछ नहीं करती थीं

ङ- इस गद्यांश का शीर्षक है -

(i) परिजात एक वृक्ष

(ii) परिजात पेड़ों का सरताज

(iii) परिजात जंगल का राजा

(iv) इनमें से कोई नहीं